(घ) क्या सरकार गांवों में राशन कार्ड के आधार पर गैस कनेक्शन हेतु पंजीकरण करती है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) हरियाणा के किन-किन गांवों में इस प्रयोजनार्थ गैस अभिकरण खोले गए हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) से (ङ) फिलहाल उत्पाद की कमी के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की एल पी जी विपणन कम्पनियों द्वारा नई एल पी जी डिस्ट्रीब्यूटरशिप उत्पाद उपलब्धता की शर्त पर चरणबद्ध ढंग से 20,000 और अधिक की जनसंख्या वाले केवल शहरी क्षेत्रों में खोली जाती हैं । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के डिस्ट्रीब्यूटर अपने विपणन क्षेत्र में रहने वाले उपभोक्ताओं के नाम का पंजीकरण करते हैं । ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्शन केवल संसद सदस्यों की सिफारिशों पर जारी किए जाते हैं । उन शहरी क्षेत्रों के आसपास के पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्शन दिए जाते हैं, जहां अव्यवहार्य डिस्ट्रीब्यूटरशिपों का क्षेत्र उन्हें व्यवहार्य बनाने के लिए बढ़ा दिया जाता है । फिलहाल उत्पाद की कमी के कारण भी गांवों में एल पी जी डिस्ट्रीब्यूटरशिपें खोलना संभव नहीं है ।

परन्तु सरकार ने निजी एजेंसियों द्वारा की ग्रामीण क्षेत्रों सहित अपनी पसंद के किसी भी बाजार में बाजार निर्धारित मूल्यों पर एल पी जी के समानांतर विपणन और विक्रय की अनुमति दे दी है ।

पेट्रोल और मिट्टी तेल में मिलावट की रोकथाम हेतु रंगों का इस्तेमाल किया जाना

169. **श्री रामजीलाल :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पेट्रोल और मिट्टी के तेल में मिलावट की रोकथाम के लिए पृथक रंगों का प्रयोग शुरु किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस प्रणाली के मिलावट की कहां तक रोकथाम हो सकती है ;

(ग) क्या उपभोक्ताओं को इस प्रणाली के बारे में सूचना दे दी गई है और प्रचार करने से इस प्रौद्योगिकी को कितनी सफलता मिली है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ग) पेट्रोल का प्राकृतिक रंग नारंगी होता है तथा इसे कोई अन्य रंग नहीं दिया जाता है । केरोसीन को सरकारी तेल कम्पनियों द्वारा विपणित किए जाने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए सार्थक होने के नाते, नीला रंग दिया जाता है ताकि इसके विपणन तथा काला बाजारी रोकने हेतु समानान्तर विपणन प्रणाली के तहत विपणन किए जा रहे केरोसीन से पृथक देखा जा सके । सार्वजनिक वितरण प्रणाली के केरोसीन को नीला रंग मिलावट को रोकने के लिए नहीं दिया जाता है ।

(ग) और (घ) सार्वजनिक वितरण प्रणाली केरोसीन को नीला रंग दिए जाने संबंधी कार्य की शुरुआत के समय तेल कम्पनियों ने इस संबंध में राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर पूरे देश में उपभोक्ताओं, डीलरों तथा सार्वजनिक कार्यकर्त्ताओं को सूचित किया था । राज्य सार्वजनिक आपूर्ति प्राधिकारियों तथा केरोसीन डीलरों के साथ तेल कम्पनियों के क्षेत्राधिकारियों ने पूरे देश में विविध स्थानों पर उपभोक्ताओं तथा अन्य संबंधित लोगों के समक्ष नीला रंग दिए गए केरोसीन का प्रदर्शन किया ।

Granting of LPG dealership in West Bengal

170. SHRI JOYANTA ROY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) the number of LPG dealership which were issued during the year

992-93 and 1993-94 in West Bengal ith names of places;

(b) the number of cases in which nction of dealership was accorded s per the recommendation of the tate Government;

(c) whether there are proposals ing pending for issue of LPG dealer- ip during the current year in West engal; and

(d) if so, the names of the places r such proposed dealerships?

THE MINISTER OF STATE OF HE MINISTRY OF PETROLEUM ND NATURAL GAS (CAPTAIN ATISH SHARMA): (a) Letters of tent for 15 LPG distributorships ere issued during 1992-93 and 1993- in West Bengal.

(b) LPG distributorships are not nctioned on the recommendations of e State Government, but on the sis of selection by Oil Selection ard.

(c) and (d) 35 proposals are pen- ig for setting up of LPG distribu- rships at different locations in West ngal.

Increase in the Import Bills of Petroleum Products

71. DR. NAUNIHAL SINGH: Will Minister of PETROLEUM AND TURAL GAS be pleased to state:

a) whether it is a fact that the ude oil, and petroleum product im- rt bill is estimated to touch $17.5 lion by the terminal year of the hth Plan; if so, what are the rea- ns therefor;

b) whether it is a fact that by the n of the century the import bill ll double to $14 bilion if so what the reasons therefor;

(c) whether it is a fact that the alarming situation mentioned in (a) and (b) above has arisen due to the bad performance and policies of the department of petroleum related to exploration of crude production and progress of on-ging projects, which are to be completed by the end of Eighth Plan; and

(d) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPTAIN SATISH SHARMA): (a) and (b) The value of net import was 5.587 and 5.07 billion dollars in 1992-93 and 1993-94 respectively and it is estimated at 5.74 billion dollars in the current year. As regards the foreign exchangle requirement by the end of VIII Plan and turn of the century, it is extremely difficult to predict the impact of various factors like prices of crude oil and products in the international market, materialisation of indigenous crude production plan, increase in demand of petroleum products which affect the import Bil

(c) and (d) Government have initiated a number of steps to increase indigenous production of crude oil to the level of 44.45 million tonnes per year by the end of terminal year of the Eighth Plan. The projects for development of new fields and additional development of existing fields are being closely monitored both by ONGC and the Government.

Steps to meet the demand of Oil & Gas

172. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR. Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) the quantity of oil and gas produced in the country, annually particularly in the State of Gujarat;